# *PARIS PEACE CONFERENCE* (Part-1)

FOR:P.G.SEM-2,CC-6,UNIT-1

**BY:ARUN KUMAR RAI**

**ASST.PROFESSOR**

**P.G.DEPT.OF HISTORY**

**MAHARAJA COLLEGE**

**ARA**

# Introduction

- **प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी और उसके सहयोगी राज्य पराजित हुए और विजयी मित्र राष्ट्रों ने युद्धोत्तर काल की व्यवस्था स्थापित करने के निमित्त पेरिस में 1919 में एक शांति सम्मेलन का आयोजित किया जो *पेरिस शांति सम्मेलन* के नाम से जाना जाता है**
- **इस सम्मेलन में सभी विजयी राष्ट्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लॉयड  जॉर्ज ,तथा फ्रांस के प्रधानमंत्री  क्लिमेंसो  प्रमुख थे**
- **सम्मेलन में पराजित राज्यों से समझौता करने के लिए *पांच* शांति संधियों का प्रारूप तैयार किया गया | इन शांति संधियों में *जर्मनी* के साथ की जाने वाली *वर्साय की संधि*  काफी महत्वपूर्ण  है।**

# प्रथम विश्व युद्ध का अंत

सर्वप्रथम  बुल्गारिया ने 29 सितंबर 1918 को हथियार डाला।

- तुर्की-Oct.1918
- Austria-3Nov.1918
- Germany-11  Nov.1918
- प्रथम विश्व युद्ध में जीत Allied and Associated Power(मित्र  राष्ट्रों  )को  मिली।
- 4 वर्ष और 15 सप्ताह के भीषण संघर्ष के बाद युद्ध का अंत हुआ ।

# शांति सम्मेलन की कठिनाइयां:

- युद्ध के कारण आवागमन साधन प्रभावित फलत: सम्मेलन स्थल पहुंचने में राष्ट्रों को विलंब की संभावना
- राष्ट्रपति विल्सन मध्य  दिसंबर के पहले आने में असमर्थ
- लॉर्ड जार्ज सम्मेलन में उपस्थित होने से  पहले आम चुनाव कराना चाहते थे ताकि शांति समझौता पर ब्रिटिश जनमत   स्पष्ट हो जाए
- शांति सम्मेलन का स्थान आरंभ में जिनेवा निश्चित किया गया किंतु ऐसा हो न सका। फ्रांस की राजधानी पेरिस को उपयुक्त माना गया।

# पेरिस  ही क्यों?

- युद्ध में सर्वाधिक  क्षति फ्रांस ने ने उठाई थी
- विराम संधि के लिए वार्ताएं पेरिस से ही की गई थी
- सवोच्य युद्ध  परिषद के कई कार्यालय पेरिस में ही स्थित थे
- पोलैंड ,चेकोस्लोवाकिया ,युगोस्लाविया आदि  की निर्वासित सरकारें पेरिस में थी
- किंतु पेरिस का स्थान शांति संधि  के लिए अनुकूल नहीं था क्योंकि  युद्ध जन्य   क्रोध  सबसे अधिक यही मौजूद  था।

# पेरिस में शांति सम्मेलन का प्रारंभ

- 18Jan. 1919 को पेरिस में अधिवेशन हुआ
- संसार के 27 देशों के 70 प्रतिनिधि शामिल हुए
- इसमें जर्मनी आदि पराजित राष्ट्रों को नहीं बुलाया गया
- अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ,फ्रांस का किलमेशों,ब्रिटेन का लायड जॉर्ज ,इटली के ऑरलैंडो बेल्जियम के हईमन्स तथा दक्षिण अफ्रीका के जनरल स्मट्स आदि शामिल हुये।
- विल्सन तथा लॉर्ड जॉर्ज पेरिस सम्मेलन और सोवियत रूस के प्रतिनिधि को बुलाने के पक्ष में थे जबकि क्लिमेंसो कम्युनिस्ट रूसको शामिल न करने के पक्ष में था इसलिए रुस शांति सम्मेलन से दूर रहा ।

# सर्वोच्च शांति परिषद

- 18 Jan. 1919 को फ्रांस के विदेश मंत्रालय में राष्ट्रपति(फ्रांस) *पोअन्कारे* ने शांति सम्मेलन का उद्घाटन किया
- फ्रांसीसी प्रधानमंत्री *क्लिमेंसो* सम्मेलन के अध्यक्ष चुने गए
- सम्मेलन के कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए 10 व्यक्तियों का सर्वोच्च शांति परिषद गठित किया गया जिसमें अमेरिका ,फ्रांस ,ब्रिटेन,जापान एवं इटली के दो –दो प्रतिनिधि शामिल होने थे। आगे चलकर दिक्कत होने पर *चार* व्यक्तियों के परिषद को यह दायित्व मिला। ये थे: यूएसए के राष्ट्रपति विल्सन , ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लॉर्ड जॉर्ज, फ्रांस के प्रधानमंत्री क्लिमेंसो तथा इटली के प्रधानमंत्री ओरलैंडो शामिल थे। यह चारों इतिहास में *चार बड़े(* big four)के नाम से जाने जाते है
- आगे चलकर ओरलैंडो (इटली) फ्यूम के प्रश्न पर नाराज हो गए ।इस प्रकार अब केवल तीन ही बचे

# अमेरिकी राष्ट्रपति वूडरो विल्सन

- पूरी समस्या का आदर्शवादी समाधान चाहते थे
- प्रथम विश्व युद्ध को युद्धातंक युद्ध (war to end war)मानते थे तथा उन्होंने नारा दिया कि जर्मनी को हराकर संसार को लोकतंत्र के लिए सुरक्षित बनाना है।
- उन्होंने युद्ध के बाद न्याय के आधार पर नए संसार के निर्माण का दावा किया
- इन के दो मुख्य उद्देश्य थे- राष्ट्र संघ की स्थापना तथा दूसरा आत्मनिर्णय के सिद्धांत को मान्यता देना
- इन्होंने अपना प्रसिद्ध 14 सूत्र 8 जनवरी 1918 को दिया।
- इन सिद्धांतों के आधार पर वे विश्व में स्थाई शांति स्थापित करना चाहते थे

# अमेरिकी राष्ट्रपति वूडरो विल्सन

- हैराल्ड  निकोलसन के अनुसार विल्सन अपने को मानव जाति की इस नई व्यवस्था देने वाला पैगंबर मानता था
- विल्सन कूटनीति में बिल्कुल पारंगत नहीं थे।
- इनका मुख्य उददेश राष्ट्र  संघ  की स्थापना   करना था पराजित राष्ट्रों के साथ थोड़ी नरमी विल्सन के वजह से ही
- अमेरिकी जनता का समर्थन नहीं मिला। नवंबर 1918 के अमेरिकी कांग्रेस के चुनाव में विल्सन की डिमोक्रेटिक  पार्टी को बहुमत  नही  मिला।

# ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लॉयड जॉर्ज

- लिबरल दल के नेता थे तथा अपने समय के सबसे श्रेष्ठ कूटनीतिक थे
- शांति सम्मेलन में जर्मनी के प्रति फ्रांस की अपेक्षा अधिक नरम एवं उदार व्यवहार के समर्थक थे
- इनके लिए राष्ट्र् संघ एवं आत्म निर्णय का सिद्धांत उतना महत्वपूर्ण नहीं था जितना कि ब्रिटेन साम्राज्यवादी स्वार्थ
- जर्मनी को नाविक प्रतिद्वंदिता में समाप्त करना चाहते थे
- यूरोपीय शक्ति संतुलन हेतु फ्रांस को शक्तिशाली देश बनने देना नहीं चाहते थे

# फ्रांसीसी प्रधानमंत्री क्लिमैशों

- सबसे ज्यादा अनुभवी व्यक्ति
- 1870 में जर्मनी द्वारा फ्रांस की पराजय के बात कहीं न कहीं उनके दिमाग में थी
- विल्सन के आदर्शवादी बातों में इनको कम भरोसा था। उनका कहना था कि ईसा मसीह केवल 10 आदर्शों से संतुष्ट है लेकिन विल्सन14 आदर्शों पर जोर देते हैं
- लायड जॉर्ज तो अपने को नेपोलियन समझता है लेकिन विल्सन अपने को ईसा मानता है
- जर्मनी को प्रबल प्रतिद्वंदी मानते हुए उसे कुचलना उसका लक्ष्य था।

# विल्सन के 14 सिद्धांत(Fourteen points of Wilson)

युद्ध काल में विल्सन ने स्थाई शांति स्थापित करने हेतु 14 सिद्धांत  प्रतिपादित किए थे:

1.गुप्त कूटनीति का परित्याग कर दिया जाए  ।संधियाँ  खुले रुप में की जाए।

2. युद्ध और शांति के दिनों में सामुद्रिक आवागमन की स्वतंत्रता हो।

3.पारस्परिक व्यापार में चुँगिया यथाशक्ति कम कर देनी चाहिए

4.अस्त्र-शस्त्र उतने ही रखे जाएं जितने कि आत्मरक्षा के लिए आवश्यक  है

5.औपनिवेशिक प्रदेशों की शक्तियों के हित का ध्यान रखते हुये औपनिवेशिक  दावों का निष्पक्ष निर्णय करना

# विल्सन के 14 सिद्धांत

6. रूस से सेनाओं को हटा लिया जाए तथा उसकी स्वतंत्रता मान ली जाए

7. बेल्जियम को खाली कर दिया जाए तथा उसकी स्वतंत्रता मान ली जाए

8. फ्रांस के सब प्रदेशों को स्वतंत्र कर दिया जाए। अल्सेस तथा लोरेन के प्रदेश उसको लौटा देने चाहिये

9. इटली की राष्ट्रीयता का ध्यान रखते हुए उसकी सीमाओं का पुनः निर्धारण किया जाए

10. ऑस्ट्रिया तथा हंगरी को अपना विकास करने के साधन दिए जाएं

# विल्सन के 14 सिद्धांत

11. रोमानिया,सर्बिया तथा माण्टेनिग्रो को खाली कर दिया जाए। सर्विया को समुद्र तट तक पहुंचने की स्वतंत्रता प्रदान की जाए

12. तुर्की साम्राज्य में रहने वाली अन्य जातियों को अपनी सुरक्षा का पूर्ण आश्वासन मिले तथा डाडेनेलीज का अंतरराष्ट्रीय करण कर दिया जाये

13. पोलैंड की सीमाओं का पुनः निर्धारण हो ।जिन स्थानों में पोल निवासी बसे हुए हैं वे पोलैंड के अंतर्गत हो। उसकी राजनीतिक तथा आर्थिक स्वतंत्रता को स्वीकार कर लिया जाए। पोलैंड को समुद्र तट तक पहुंचने का मार्ग दिया जाए

# विल्सन के 14 सिद्धांत

- 14.विश्व में शांति स्थापित करने के लिए **राष्ट्र संघ** की स्थापना की जाए |उसमें विश्व के सब छोटे बड़े राष्ट्रों का स्थान दिया जाए |सब राज्यों की राजनीतिक स्वाधीनता तथा प्रादेशिक अखंडता को स्वीकार कर लिया  जाये|

...To be continued